

न्यूज ब्रीफ

बिजली कनेक्शन काटने

गई टीम पर हमला

बाराबंकी, अमृत विचार : विद्युत उपकरण त्रिलोकपुर के क्षेत्र में नहीं रहा। एक उपभोक्ता पर बकाए के चलते कनेक्शन काटने की कार्रवाई के द्वारा नहीं रहा। फ़िडल मैनेजर सुरज गौतम ने बताया कि 5 इंचर लार्यो बकाया न जाम करने पर वह टीम के साथ गणित्यापुर निवासी उपभोक्ता बिहार का बिजली कनेक्शन काटने गए थे। इस बीच उपभोक्ता ने टीम पर हमला किया, मोबाइल छीने हुए सरकारी कार्यालय में बाधा डाली। पुलिस जांच कर रही है।

हनुमानजी का शृंगार

भजन संध्या आयोजित

मसौली, बाराबंकी, अमृत विचार : बाबा रामशरण दास भगवत दास कुटी हनुमान मंदिर में मंगलवार को हनुमानजी महाराज का भव्य शृंगार किया गया। इसके बाद भजने में सुंदरकांड व भजन संध्या में गाय लिया। मंदिर के पास बाबा रामलाल दास ने श्रीराम सुन्तुत और गणेश वंशना की। भजन और सुंदरकांड के बाद भजनों ने हनुमान जी की आरती उतारी। अंत में प्रसाद वितरण किया गया। भजन समिति के अध्यक्ष मोहित वर्मा, आदित्य सोने, अनुराग शिवकर्मा और अनुराग दीपाशु यादव सहित कई भवत उपस्थित हैं।

फ्रेंटलाइन वर्कर

प्रशिक्षण आयोजित

रामसनेहीघाट, बाराबंकी, अमृत विचार : सोयसो बाराबंकी अमृत विचार : शिलाधिकारी अमृत विचार : बाबा रामशरण दास भगवत दास कुटी हनुमान मंदिर में मंगलवार को हनुमानजी महाराज का भव्य शृंगार किया गया। इसके बाद भजने में सुंदरकांड व भजन संध्या में गाय लिया। मंदिर के पास बाबा रामलाल दास ने श्रीराम सुन्तुत और गणेश वंशना की। भजन और सुंदरकांड के बाद भजनों ने हनुमान जी की आरती उतारी। अंत में प्रसाद वितरण किया गया। भजन समिति के अध्यक्ष मोहित वर्मा, आदित्य सोने, अनुराग शिवकर्मा और अनुराग दीपाशु यादव सहित कई भवत उपस्थित हैं।

निष्पक्ष जांच व देखियों

पर कार्रवाई की मांग

बाराबंकी, अमृत विचार : पिछले वर्ष 18 दिसंबर 2024 को एटी करणन टीम द्वारा एक लेखपाल को परिपतर किए जाने के मामले में भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने वाले आयोजनावाही जुराज सिंह ने अंग्रेज आरोप लगाया है। इसके बाद भजने के लिए एप्सन अमा, आसा, संगीती और अंगनबाड़ी कार्यक्रमोंको को देवियारी रिफ्रेशर प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में माझको-लानिंग, समुदाय संवाद और एकीजो इम्प्लाईटेशन प्लान की जानकारी दी गई।

जनकी जांच व देखियों

केंद्रीय टीम ने

किया निरीक्षण

मसौली, बाराबंकी, अमृत विचार : विकास खंड मसौली में राज्य परियोजना एवं केंद्रीय टीम के संयुक्त तत्वावाचन में प्राथमिक विद्यालयों और ब्लॉक संसाधन केंद्र का निरीक्षण किया गया।

टीम में डिलाइफ फारंडेशन की मुख्य अधिकारी सरसवती कस्तुरीरागन, एससीईआरटी सलाहकार डॉ. शुभ्रेणु, फाउंडर मंत्रा संस्थापक कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

लेकिन एक बात कही गई है कि भजन कई बार पुलिस प्रशासन और जिलाधिकारी को प्राप्तवान पत्र देकर कार्रवाई की मांग की, लेकिन किसी रस्त पर कोई ठोस सज्जन नहीं लिया गया। शिक्षकोंकर्ता ने बताया कि उसके बाद अपने आरोपों के समर्पण में वैधानिक तात्परता दर्शाते हुए अपने आरोपों के समर्पण करते हुए। इस संबंध में 21 दिसंबर 2024 को कोतवाली नगर में एक फ़ाइरारा दर्ज कराया गई, लेकिन एक बात कही गई है कि भजन कई बार पुलिस प्रशासन और जिलाधिकारी को प्राप्तवान पत्र देकर कार्रवाई की मांग की, लेकिन किसी रस्त पर कोई ठोस सज्जन नहीं लिया गया। शिक्षकोंकर्ता ने बताया कि उसके बाद अपने आरोपों के समर्पण में वैधानिक तात्परता दर्शाते हुए अपने आरोपों के समर्पण करते हुए। इस संबंध में एक अवसर पर आयोजन की राशि यादव, अमीन एवं घरेलू पत्र भेज था, जिस पर अभी तक निर्णय नहीं लिया गया।

भंडारे में प्रसाद ग्रहण करते लोग।

● अमृत विचार

धूमधाम से मना रामजानीकी मंदिर का वार्षिकोत्सव

मसौली, बाराबंकी, अमृत विचार : पशु बाजार मसौली में राम जनकी मंदिर का नवा वार्षिकोत्सव उल्लास से मनाया गया। मंदिर प्रांगण में सुबह आठ बजे हवन यज्ञ हुआ। अधिकारी के बाद मंदिर की प्रतिमाओं का दिव्य शृंगार किया गया। दोपहर 12 बजे पूर्णहृति के पश्चात अंग्रेज भजने के लिए विद्यालय शृंगार किया गया। दोपहर 12 बजे तक भजन नहीं आये। इस भंडारे में सांतों के साथ आपास के गांवों से बैकड़ी भजते रहे। अप्राद ग्रहण किया। इस अवसर पर आयोजन की राशि यादव, अमीन एवं राधाकृष्णन ने भजन की राशि यादव, अमीन एवं घरेलू पत्र भेज था, जिस पर अभी तक निर्णय नहीं लिया गया।

कार्यक्रम

संघालय संवाददाता, बाराबंकी:

अमृत विचार : बालाजी ग्रुप ऑफ स्कॉल्स द्वारा आयोजित आठवीं स्पॉटर्स मीट उड़ान के सोलहवें दिन मंगलवार को विभिन्न शाखाओं में रांगांग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

कंपनी बालाजी एवं सिविल लाइन शाखा में प्रारंभिक वर्ग के बच्चों के लिए हिंदी कविता प्रतियोगिता आयोजित की गई, वहाँ बालाजी सत्य प्रेमी नगर एवं बालाजी अैकेडमी बच्ची ब्रांच में सभी हाउसों के मध्य इंटर प्रतियोगिता आयोजित की गई।

संघिनय एवं जूनियर वर्ग के बच्चों ने उत्पादकृक भाग लिया। बच्चों ने प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया और रणनीतिक सोच का परिचय

प्रतियोगिता में विजेता छात्र।

संघिनय एवं जूनियर वर्ग के बच्चों ने उत्पादकृक भाग लिया। बच्चों ने प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया और रणनीतिक सोच का परिचय

प्रतियोगिता में विजेता छात्र।

संघिनय एवं जूनियर वर्ग के बच्चों ने उत्पादकृक भाग लिया। बच्चों ने प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया और रणनीतिक सोच का परिचय

प्रतियोगिता में विजेता छात्र।

संघिनय एवं जूनियर वर्ग के बच्चों ने उत्पादकृक भाग लिया। बच्चों ने प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया और रणनीतिक सोच का परिचय

प्रतियोगिता में विजेता छात्र।

संघिनय एवं जूनियर वर्ग के बच्चों ने उत्पादकृक भाग लिया। बच्चों ने प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया और रणनीतिक सोच का परिचय

प्रतियोगिता में विजेता छात्र।

संघिनय एवं जूनियर वर्ग के बच्चों ने उत्पादकृक भाग लिया। बच्चों ने प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया और रणनीतिक सोच का परिचय

प्रतियोगिता में विजेता छात्र।

संघिनय एवं जूनियर वर्ग के बच्चों ने उत्पादकृक भाग लिया। बच्चों ने प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया और रणनीतिक सोच का परिचय

प्रतियोगिता में विजेता छात्र।

संघिनय एवं जूनियर वर्ग के बच्चों ने उत्पादकृक भाग लिया। बच्चों ने प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया और रणनीतिक सोच का परिचय

प्रतियोगिता में विजेता छात्र।

संघिनय एवं जूनियर वर्ग के बच्चों ने उत्पादकृक भाग लिया। बच्चों ने प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया और रणनीतिक सोच का परिचय

प्रतियोगिता में विजेता छात्र।

संघिनय एवं जूनियर वर्ग के बच्चों ने उत्पादकृक भाग लिया। बच्चों ने प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया और रणनीतिक सोच का परिचय

प्रतियोगिता में विजेता छात्र।

संघिनय एवं जूनियर वर्ग के बच्चों ने उत्पादकृक भाग लिया। बच्चों ने प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया और रणनीतिक सोच का परिचय

प्रतियोगिता में विजेता छात्र।

संघिनय एवं जूनियर वर्ग के बच्चों ने उत्पादकृक भाग लिया। बच्चों ने प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया और रणनीतिक सोच का परिचय

प्रतियोगिता में विजेता छात्र।

संघिनय एवं जूनियर वर्ग के बच्चों ने उत्पादकृक भाग लिया। बच्चों ने प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया और रणनीतिक सोच का परिचय

प्रतियोगिता में विजेता छात्र।

संघिनय एवं जूनियर वर्ग के बच्चों ने उत्पादकृक भाग लिया। बच्चों ने प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया और रणनीतिक सोच का परिचय

प्रतियोगिता में विजेता छात्र।

संघिनय एवं जूनियर वर्ग के बच्चों ने उत्पादकृक भाग लिया। बच्चों ने प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया और रणनीतिक सोच का परिचय

प्रतियोगिता में विजेता छात्र।

प्रो. हरीश चंद्र राय के यथार्थवादी शैली में गतिशील रेखांकन इतने सजीव दिखते हैं कि ऐसा लगता है कि अभी बोल पड़ेंगे। प्रो. हरीश के रेखांकन अजंता, एलोरा, राजपूत और मुगल शैलियों पर आधारित हैं। उन्होंने रेखांकन और चित्रों के माध्यम से भारतीय विरासत की आत्मा को जीवंत किया है। वह न केवल शानदार विक्रार और मूर्तिकार थे, बल्कि एक अच्छे शिक्षक भी थे। शिमला से पहले उन्होंने बरेली कॉलेज में भी अपनी सेवाएं दी थीं। वह तात्काल कला और रंगों की दुनिया में सितारे की तरह चमकते रहे। उन्होंने कला क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किया। वह हिमाचल में आटर्स कॉलेज के फाउंडर प्रिसिपल भी रहे। हिमाचल सरकार ने उनकी कला को सराहा और राज्य संग्रहालय शिमला में हरिश चंद्र कला

दीर्घी की स्थापना की। भले ही आज वे हमारे बीच नहीं हैं, मगर उनकी कलाकृतियां कलाप्रेमियों के दिलों में हैं।
- रामराज मिश्रा, बरेली



27 मई वर्ष 1923 को बरेली के मोहल्ला मलूकपुर में हरीश चंद्र राय के जन्म हुआ था। उन्होंने लखनऊ स्थित आटर्स कॉलेज से स्नातक किया था। वे लंबे समय तक वह बरेली कॉलेज में हिंदी-कला के शिक्षक रहे। उन्होंने बरेली कॉलेज में सोसाइटी ऑफ आटर्स का गठन किया। इसी सोसाइटी ऑफ आटर्स के रेखांक केंद्रित पुस्तक हुई थी। बड़े बाजार की एक इलेक्ट्रिक प्रेस से इसका मुद्रण बीपस वर्मा ने किया था। हरीश चंद्र ने शिमला में 1961 से 1979 तक सेवाएं दीं। वह पॉर्टेट, सीनरी आदि बनाने में ऑफिस, वाटर और पेस्टिल कलर का इस्तेमाल करते थे। उन्होंने 96 वर्ष तक निरंतर कला का सर्जन किया। हिमाचल सरकार ने वर्ष 2001 में उन्हें अचीवमेंट पुरस्कार भी नवाजा। आजादी से पहले उन्होंने नियिटिस सेना में आर्टिस्ट के रूप में सेवाएं दी थीं।



प्रो. राय ने रेखांकन से किया

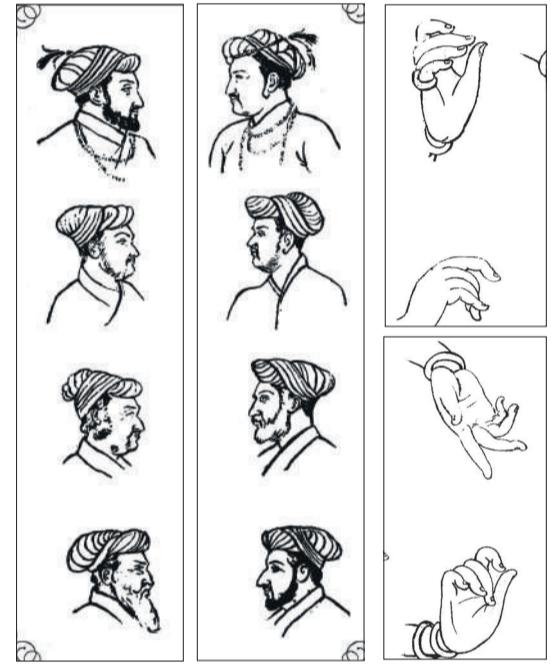
भारतीय विरासत को जीवंत

धर्वपल्ली पाधाकृष्णन कावनाया थालाइव दक्ष्य

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जब उपराष्ट्रपति थे, तब वह वर्ष 1955 में बरेली कॉलेज के दीक्षांत समारोह में आए थे। वहाँ हरीश चंद्र राय ने उनका लाइव पैसेल स्कैच बनाया था, जिस पर डॉ. सर्वपल्ली के हस्ताक्षर थी है। उन्होंने अपने गुरु का भी पैसेल स्कैच तैयार किया था, जिस पर उनके गुरु के हस्ताक्षर हैं। उनके रेखांकन यथार्थवादी शैली में हैं। उन्होंने हस्त मुद्राएं, पैर की मुद्राओं का रेखांकन किया। भाव-भीमा को व्यक्त करने के लिए उन्होंने वन लाइन स्कैच बनाए। मुगल, पहाड़ी और राजस्थानी शैली के एक चरम (आंख), चेहरे भी बनाए, ताकि मुखाकृतियों का अध्ययन वारीकी से किया जा सके। जमीन पर और खड़े लोगों के चित्र अलग-अलग मुद्राओं में बनाए हैं। शिमला में रहते हुए उन्होंने पहाड़, जंगल और पर्वत के प्राकृतिक दृश्यों को भी उकेरा, जिसमें उन्होंने फोटोग्राफी का सहारा नहीं लिया। जैसे आंखों की बाबावट, साफ सुधरे नाक-नक्श, अंगुलियों का लचीलापन है, जो ऐश्वर्या की स्थापना की पृष्ठी में विशेषज्ञ होती है, वह सभी उसमें विद्यमान हैं।

दिग्गज चित्रकारों का निला सानिध्य

हरीश चंद्र राय के कला गुरु एवं प्रसिद्ध चित्रकार एक हलदर, श्रीधर मजूदार, एलएम सेन रहे, जिनके सानिध्य में उन्होंने काम किया। उनकी पुढ़ी एवं रंगकर्मी अमला राय ने बताया कि 2023 में पिता के जन्मशताब्दी वर्ष पर शिमला में कला उत्सव का आयोजन किया था। अब हर साल पिता की स्मृति में कला उत्सव का आयोजन होता है। पिता के कला पक्ष के संदर्भ में उन्होंने बताया कि पिता जी का ध्यान स्कैचिंग पर ज्यादा रहता था। वह अभ्यास के लिए अपने छात्रों को भी यही सीख देते थे। जीवनभर वह कला में ही रहे। 30 अक्टूबर 2018 को मुंबई में उनका निधन हुआ था।



प्रारंभिक रेखांकन का अनजोल संग्रह

'प्रो. हरीश चंद्र राय के रेखांकन' पुस्तक के संपादक बरेली निवासी हरिशंकर शर्मा कहते हैं कि पुस्तक जिसकी गतिकारों की कलाकृतियों तो मिल जाती है, मार्ग आरंभिक कार्य दुर्भाग्य होते हैं। यह पुस्तक उनकी प्रारंभिक रेखांकन का अनजोल संग्रह है, जो कला जगत के लिए महत्वपूर्ण है। यह पुस्तक हरीश चंद्र राय को बढ़ी अमला राय को समर्पित है।

आर्ट गैलरी



विंसेंट वान गॉग की पेंटिंग आइरिस



आइरिस डच कलाकार विंसेंट वान गॉग की एक अँयल पेंटिंग है। इसे उन्होंने 1889 में बनाया था। यह एक लैंडस्केप है, जिसमें क्रौप किया हुआ था और यह उन कई सौ पेंटिंगों में से एक है, जो वान गॉग ने 1890 में अपनी मौत से एक साल पहले फ्रांस के सेंट-रेनी-डी-प्रॉवेंस में सेंट पॉल-डी-मौसोल पागलतखाने में बनाई थीं। यह 1990 से लॉस एंजिल्स, कैलिफोर्निया में द गेटी के प्ररमाणेन्ट कलेक्शन में है। यह पेंटिंग जीवन रूप से खिलते हुए आइरिस के फूलों को डायनामिक ब्रास्ट्रेक के साथ दिखाती है। फूल गहरे नीले और बैगनी रंगों को मिश्रण हैं, जो हरे पत्तों, लाल-नारंगी मिट्टी और बैक ग्राउंड में पीले फूलों के साथ कंट्रास्ट बनाते हैं। वैन गॉग की खास इंप्रेस्टो तकनीक पेंटिंग में टेक्स्चर और मूर्मेंट जोड़ती है, जिससे एक जोशीला और एक्सप्रेसिव एक्सप्रेसिव होता है।

वान गॉग के बारे में

विंसेंट वान गॉग का जन्म 30 मार्च 1853 को नीदरलैंड के एक छोटे से गांव में हुआ था। अपने शुरुआती जीवन में, उन्होंने एक कला डीलर, शिक्षक और उपदेशक के रूप में काम किया, लेकिन उन्हें कहीं भी सफलता नहीं मिली। 27 साल की उम्र में, उन्होंने कला को अपनी करियर बनाने का फैसला किया और अपने भाई द्वारा दिये गए एक अपेने दस लाल-नारंगी जीली बोल्ड रंगों, नाटकीय और अभियंजक ब्रास्ट्रेक और कूड़ी रुपों के लिए जानी जाती है, जिसने आधुनिक कला पर एक बड़ा प्रभाव डाला। उनकी कुछ सबसे प्रसिद्ध कृतियों में आइरिस, द स्टारी नाइट (The Starry Night), सूर्योलिवर्स (Sunflowers), द पैटेटो ईंटर्स (The Potato Eaters) और द बेडरूम (The Bedroom) शामिल हैं। उन्होंने अपनी जिंदगी में सिर्फ दो पेंटिंग बेंची थीं वे भी बहुत कम कीमत पर। इसके अलावा उन्होंने अपनी कई पेंटिंग मुफ्त में दें। उनकी जिंदगी में उनके काम की इतनी कम सराहना हुई कि एक पेंटिंग को तो मुग्गी के दड़वे के दरवाजे के तीर पर इस्तेमाल किया गया। उनके विशेष के बाद दुनिया ने उनके काम को प्रेहारा। नवंबर 1987 में न्यूयॉर्क में एक नीलामी में, उनकी पेंटिंग 'आइरिस' (मई 1889) रिकॉर्ड 49 मिलियन डॉलर की कीमत पर बिकी।

रंग-तरंगा

काशी तमिल संगमन

बीते सोमवार 15 दिवसीय प्रसिद्ध काशी तमिल संगमम 4.0 का समापन हुआ। इस वर्ष का संगमम रामेश्वरम में एक विशालसमापन समारोह के साथ खत्म हुआ, जो काशी से तमिलनाडु तक संस्कृत के उद्धव और विकास को संकेतिक तौर पर पूरा किया गया। संगमम का प्रमुख उद्देश्य तमिलनाडु और काशी के बीच सांस्कृतिक और साम्प्रांतगत संपर्क को आगे बढ़ाना था। यह आयोजन उत्तर और दक्षिण भारत की संस्कृति के मिलन का उत्पन्न है। जब भी काशी और तमिल भाषा के मिलन का उत्पन्न है।



संबंधों की बात होती है, तो एक नाम सबसे प्रमुखता से सामने आता है महर्षि अगस्त्य का। महर्षि अगस्त्य का विवाह से जन्मा है।

नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा के वह संतंभ हैं, जिन्होंने उत्तर और दक्षिण को एक सूत्र में धरेयेगा। ऋषि अगस्त्य का काशी से गहरा नाता रहा। उन्हें तमिल भाषा का जनक भी माना जाता है। काशी तमिल संगमम 4.0 का यह संस्करण "लेट्रस लर्न तमिल - तमिल करकलम" पर आधारित था, जिसमें तमिल भाषा सीखने और भाषा की एकता को संगमम का केंद्र थी। प्रमुख कार्यक्रम में तमिल करकलम (वाराणसी के स्कूलों में तमिल पढ़ाना), तमिल करयोग (काशी क्षेत्र के 300 भाषी के लिए तमिल सीखने का स्टडी टूर) और ऋषि अगस्त्य वाहन अधियान (तेनकारी से काशी तक सम्बन्धित गर्भात्मक वर्षा का पता लगाना) शामिल रहा।

पहाड़ की बेटी ने बृत्य से गढ़ी अपनी राह

नारी सशक्तिकरण

जागेश्वर में जन्मी जानकी रावत को बचपन से ही संगीत का काफी शैक्ष था और पह नृत्य को अपना कैरियर बनाने का सपना देखती थीं। स्कूल, कॉलेज के अलावा आसपास के इलाकों में उन्हें जहाँ भी अपनी प्रतिभा का हुनर दिखाने का मौका मिलता। वह उससे नहीं चूकती। कुमाऊं यूनिवर्सिटी से एम.ए. की शिक्षा प्राप्त करने के बाद जानकी का विवाह हुआ। शादी और धरेलू दायित्वों के बावजूद, उन्होंने अपने अंदर के कलाकार को मरने नहीं दिया। स्कूल के दिनों से ही मंच पर अपनी छाप छोड़ने वाली जानकी के लिए पारिवारिक बाह्य

